सच कहने की ताकत
साप्ताहिक समाचार पत्र
जालंधर ब्रीज
जल है तो कल है
www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-6 • 08 NOVEMBER TO 14 NOVEMBER 2024 • VOLUME 16 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा
एक ही बात सीखता हूँ मैं रंगों से, निखरना है तो बिखरना जरूरी है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges & *Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

धारा 370 और 35ए को लेकर विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को पारित किए प्रस्ताव को लेकर हुआ हंगामा

श्रीनगर. जम्मू-कश्मीर विधानसभा में गुरुवार को उस समय भारी हंगामा मच गया जब भाजपा सदस्यों ने पूर्ववर्ती राज्य को विशेष दर्जा देने संबंधी प्रस्ताव पारित किए जाने का विरोध किया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा सदस्यों ने बुधवार को पारित किए गए प्रस्ताव को लेकर हंगामा शुरू कर दिया। भाजपा विधायक और विपक्ष के नेता सुनील शर्मा जब प्रस्ताव पर बोल रहे थे तो अवामी इत्तेहाद पार्टी के नेता और विधायक लंगेट शेख खुर्शीद एक बैनर दिखाते हुए आसन के समक्ष आ गए, जिस पर लिखा था कि अनुच्छेद 370 और 35ए को बहाल किया जाए। इस पर भाजपा सदस्यों ने नाराजगी जाहिर की। वे भी आसन के समक्ष आ गए तथा बैनर छीनकर उसे फाड़ दिया। हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। हालांकि, सदन स्थगित होने के बाद भी भाजपा सदस्यों ने अपना विरोध जारी रखा। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर हंगामा जारी रहा और विधायकों के बीच धक्का मुक्की और हाथापाई जैसी नौबत आ गयी। इस दौरान भाजपा विधायक भारत माता की जय के नारे लगाते हुए देखे गए। आखिरकार, अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी।

विधानसभा स्थगित होने के बाद सांसद इंजीनियर रशीद के भाई और विधायक शेख खुर्शीद ने कहा कि हम अनुच्छेद 370 पर एक प्रस्ताव लाना चाहते थे, लेकिन हमें मौका नहीं दिया गया तो हमारे पास और क्या विकल्प था? उन्होंने कहा कि भले ही वे हम पर हमला करना जारी रखें, हम अपनी आवाज उठाते रहेंगे। वहीं भाजपा का इस मुद्दे पर कहना है कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और अलगाववादियों के एजेंडे को दोबारा जिंदा करने की कोशिश और साजिश की है।

जागृत भारत दुस्साहस को नहीं करेगा बर्दाश्त : स्मृति ईरानी

अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर गुरुवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भारी हंगामा हुआ। विधायकों ने सदन में एक-दूसरे पर मुक्के बरसाकर हाथापाई की। अवामी इत्तेहाद पार्टी के विधायक और इंजीनियर राशिद के भाई खुर्शीद अहमद शेख द्वारा अनुच्छेद 370 पर एक बैनर प्रदर्शित करने के बाद अराजकता शुरू हुई। इसके बाद, एलओपी सुनील शर्मा ने बैनर प्रदर्शन पर आपत्ति जताई। अब इसी को लेकर भारतीय जनता पार्टी की स्मृति ईरानी ने गुरुवार को विपक्ष के इंडिया गुट पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने कहा कि भारत के संविधान की कसमें खाते हुए, कल भारतीय संविधान का गला घोंटने का दुस्साहस इंडी अलायंस ने जम्मू-कश्मीर में किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के वो दृश्य जिसमें भारत के संविधान की धज्जियां उड़ाते हुए आदिवासी, दलितों और महिलाओं के अधिकारों का हनन करने का दुस्साहस कांग्रेस समर्थित इंडी अलायंस ने किया है। जागृत भारत उस दुस्साहस को बर्दाश्त नहीं करेगा।

अब पराली जलाने वालों को 30 हजार रुपये तक लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली. दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों में बिगड़ती वायु गुणवत्ता से निपटने के प्रयासों के तहत केंद्र ने पराली जलाने वाले किसानों के लिए जुर्माना बढ़ा दिया है। तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले नए नियमों के तहत दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ के बीच भूमि वाले किसानों पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा, जबकि पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर पराली जलाने पर 30,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। यह संशोधन वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) अधिनियम 2021 के तहत वायु प्रदूषण को कम करने के सरकार के प्रयास का हिस्सा है। एक आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि नए नियमों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (पराली जलाने के लिए पर्यावरणीय मुआवजे का अधिरोपण, संग्रह और उपयोग) संशोधन नियम, 2024 कहा जा सकता है।

नए चुने सरपंचों को शपथ दिलवाने के लिए पुख्ता तैयारियां

मुख्यमंत्री आज लुधियाना में 10,000 से अधिक सरपंचों को शपथ दिलवाएंगे

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान शुक्रवार को लुधियाना के पिंड धनानसू स्थित साइकिल वेली में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान नए चुने सरपंचों को शपथ दिलवाएंगे। राज्य सरकार के इस विशेष प्रकार के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल होंगे। यह कार्यक्रम पंचायतों को 'लोकतंत्र के स्तंभ' के रूप में और भी मजबूत करेगा क्योंकि पंचायत को लोकतंत्र के स्तंभ के तौर पर जाना जाता है।राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान हाल ही में हुई पंचायत चुनावों में राज्यभर के 23 जिलों की 13,147 ग्राम पंचायतों में से 19 जिलों के 10,031 सरपंचों को मुख्यमंत्री द्वारा शपथ दिलवाई जाएगी। बाकी चार जिलों श्री मुक्तसर साहिब, होशियारपुर, बरनाला और गुरदासपुर के सरपंचों और 23 जिलों के 81,808 नए चुने पंचों को चार विधानसभा हलकों गिद्दड़बाहा, चब्बेवाल, बरनाला और डेरा बाबा नानक की उप चुनावों के बाद शपथ दिलाई जाएगी।

यह पंचायत चुनाव राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह से बिना हुए थे ताकि गांवों को राजनीतिक धड़ेबंदी के प्रभाव से दूर रखा जा सके और आपसी भाईचारे को मजबूत किया जा सके। राज्य में 3,037 सरपंच सर्वसम्मति से चुने गए हैं। इनमें सबसे ज्यादा फिरोजपुर जिले में 336 सरपंच, गुरदासपुर में 335 सरपंच और तरन तारण में 334 सरपंच सर्वसम्मति से चुने गए हैं।

मुठभेड़ के बाद कौशल-बंबीहा गैंग के दो गैंगस्टर गिरफ्तार, दो पिस्टल बरामद

डीजीपी ने कहा- पुलिस टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद गैंगस्टरों को किया काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/जालंधर

जालंधर कमिशनरेट पुलिस ने कौशल-बंबीहा गैंग के दो खतरनाक गैंगस्टरों को जालंधर छावनी के बाहरी क्षेत्र में पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश करते हुए काबू किया। इस दौरान अपराधी गंभीर रूप से घायल हो गए। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि पुलिस टीमों ने मौके से दो पिस्टल और पांच जीवित कारतूस बरामद किए हैं। उल्लेखनीय है कि उक्त गैंगस्टरों, जिनकी पहचान राजेश्वर कुमार और दीपक वैद उर्फ बाबू के रूप में हुई है, को जालंधर कमिशनरेट पुलिस ने 17 अक्टूबर 2024 को थाना भारगो कैंप में दर्ज एक असला एक्ट के मामले की जांच के दौरान गिरफ्तार किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस टीमों ने कौशल-बंबीहा मॉड्यूल के चार सदस्य को गिरफ्तार किया था और उनके पास से चार हथियार बरामद हुए थे। इन दोनों गैंगस्टरों की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में अब तक कुल छह गिरफ्तारी हो चुकी हैं। डीजीपी ने कहा, "पुलिस अधिकारियों ने गैंगस्टरों राजेश्वर कुमार और दीपक वैद का लगभग 1.5 किलोमीटर तक पीछा किया और बड़ी मेहनत के बाद उन्हें गिरफ्तार किया।" डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि दोनों आरोपी कई जघन्य अपराधों में शामिल थे और होशियारपुर, एसबीएस नगर, कपूरथला समेत अन्य जिलों में बड़ी वारदातों को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। उन्होंने बताया कि ये आरोपी अन्य गिरोह के सदस्यों को लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करते थे और पंजाब और हरियाणा में विभिन्न गिरोहों को हथियार सप्लाई करते थे।

पुलिस कमिश्नर (सी.पी.) जालंधर स्वपन शर्मा ने बताया कि कथित गैंगस्टरों राजेश्वर कुमार और दीपक वैद के खुलासे के बाद कार्रवाई करते हुए जालंधर कमिशनरेट की पुलिस टीमों ने दोनों आरोपियों को जालंधर कैंट के बाहरी क्षेत्र में किसी सुनसान और वीरान जगह पर ले जाकर घेर लिया था, जहां उन्होंने हथियार और गोली-बंदूक छिपाए होने का दावा किया था। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों ने पिस्टल (जो मौके से बरामद हुई) का इस्तेमाल करते हुए पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की और मौके से भागने में सफल हो गए, जिस पर पुलिस टीमों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जवाबी फायरिंग की और लगभग 1.5 किलोमीटर तक उनका पीछा करने के बाद उन्हें काबू कर लिया। इस कार्रवाई के दौरान, एक आरोपी को दाहिने पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा आरोपी पुलिस टीम से हाथापाई के दौरान घायल हो गया। सीपी ने बताया कि दोनों आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है।

एस. जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस टेलीकास्ट करने वाले चैनल को कनाडा ने किया बैन

टोरांटो. भारत और कनाडा के रिश्ते लगातार तल्ख होते जा रहे हैं। ट्रूडो सरकार ने अब एक और बड़ा कदम उठाया है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाने पर कनाडा ने ऑस्ट्रेलिया टुडे पर प्रतिबंध लगा दिया। कनाडा के इस कदम पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमें पता चला है कि कनाडा में एक महत्वपूर्ण प्रवासी आउटलेट के सोशल मीडिया हैंडल पेज को ब्लॉक/बैन कर दिया गया है। यह इस विशेष हैंडल द्वारा पेनी वोंग के साथ विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस को प्रसारित करने के ठीक कुछ घंटों बाद हुआ। हमें आश्चर्य हुआ। यह हमें अजीब लगा।

कैनबरा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मंत्री जयशंकर ने ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर पर खालिस्तानियों द्वारा किए गए हमले का मुद्दा उठाया और कहा कि यह घटना दिखाती है कि कनाडा में चरमपंथी ताकतों को कैसे राजनीतिक जगह दी जा रही है। ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री की उपस्थिति में जयशंकर ने खालिस्तानियों के समर्थन पर कनाडाई सरकार की कड़ी आलोचना की।

शाहरुख खान को मिली जान से मारने की धमकी

मुंबई. 5 नवंबर को बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को धमकाने के लिए जिस व्यक्ति के फोन का इस्तेमाल किया गया था, उसका सेलफोन कथित तौर पर एक चोर ने चुरा लिया था। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रायपुर के फैजान खान नाम के व्यक्ति का मोबाइल फोन कुछ दिन पहले चोरी हो गया था और उसने पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई थी। शाहरुख खान को 50 लाख की फिरौती न देने पर जाने से मारने की धमकी बांद्रा पुलिस स्टेशन के लैंडलाइन पर मिली थी। नंबर की डिटेल्स का पता लगाते हुए बांद्रा पुलिस की क्राइम ब्रांच की एक टीम फैजान को पकड़ने के लिए छत्तीसगढ़ के रायपुर पहुंची, जिसके नाम से नंबर रजिस्टर्ड था। पुलिस ने अब मोबाइल फोन चोर की तलाश शुरू कर दी है।

राष्ट्र के सुरक्षित डिजिटल भविष्य की दिशा में कदम

ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करना होगा

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भारत में, दूरसंचार की उपयोगिता लोगों को जोड़ने से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण उपकरण भी है, जो विकास के हाशिए पर रहने वाले लोगों के उत्थान का काम करता है। पिछले एक दशक में, देश में डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारी विकास हुआ है। दुनिया में सबसे सस्ते डेटा दरों के साथ, भारत में अब 954.40 मिलियन से अधिक इंटरनेट ग्राहक हैं। इनमें से 398.35 मिलियन इंटरनेट ग्राहक ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। पिछले एक दशक में, ब्रॉडबैंड कनेक्शन 64 मिलियन से बढ़कर 924 मिलियन हो गए हैं। इस व्यापक कनेक्टिविटी ने एक डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जो आज हमारे कुल आर्थिक परिदृश्य में 10 प्रतिशत का योगदान देता है। वर्ष 2026 तक इस योगदान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांचवें हिस्से या 20 प्रतिशत तक पहुंच जाने का अनुमान है। बैंकिंग सेवाएं, केवाईसी सत्यापन, डिजिटल भुगतान और मोबाइल-आधारित प्रमाणीकरण भारत की डिजिटल क्रांति की रीढ़ रहे हैं, जिससे जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) की तिहरी

सेवाओं को फलने-फूलने में मदद मिली है। अकेले अक्टूबर 2024 में, देश में आधार समर्थ भुगतान प्रणाली के माध्यम से 126 मिलियन डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए। हालांकि, यह डिजिटल क्रांति विकट चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है।

विशेष रूप से, तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से हमारे नागरिकों की सुरक्षा की चुनौती। हमारे हाथ में रखे जाने वाले सुविधा के ये उपकरण स्पैम कॉल, घोटाले वाले संदेश, टेलीमार्केटिंग के अनुचित कॉल, फ़िशिंग घोटाले, नकली निवेश एवं ऋण के अवसरों जैसे साइबर अपराधों के जाल से भी घिरे हैं। एक विशेष चुनौती सामने आई है: "डिजिटल अरेस्ट" के घोटाले आज चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं। इसकी कार्यप्रणाली के तहत - अपराधी सरकारी अधिकारियों के रूप में निर्दोष व्यक्तियों को डराने और जबरन वसूली का कार्य करते हैं। हालांकि, इन उभरते खतरों के विरुद्ध त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए हमारे अधिकारियों ने पूरी तत्परता दिखाई है। उन्होंने फर्जी तरीकों से हासिल किए गए मोबाइल कनेक्शनों को काट दिया है और 7.6 लाख शिकायतों के माध्यम से 2,400 करोड़ रूपये से अधिक की राशि की हानि को बचाया। यह महज आंकड़ों को ही नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा और सपनों की सुरक्षा को भी दर्शाता है। अब जबकि हम डिजिटल स्पेस की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, हमारे नागरिकों के सहयोग के बिना यह एक निरर्थक कवायद साबित होगी। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेन्द्र मोदी का हाल ही में नागरिकों से "रुको, सोचो और एक्शन लो" का आह्वान इंटरनेट की छाया में बढ़ते खतरों को रेखांकित करते हुए तात्कालिकता और दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह आह्वान केवल बढ़ते साइबर अपराधों के विरुद्ध प्रतिक्रिया भर नहीं है, बल्कि एक सतर्क और सक्रिय समाज के निर्माण की दिशा में एक अपील भी है।

अपने हालिया 'मन की बात' संबोधन के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने समर्पित हेल्पलाइन 1930 और cybercrime.gov.in पोर्टल के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों की रिपोर्ट करने की अनिवार्यता दोहराई। साइबर अपराधियों के विरुद्ध लड़ाई में नागरिकों की भागीदारी पर जोर बेहद अहम है। फिर भी, साइबर अपराधियों ने चालाकी बरतते हुए नई रणनीति विकसित कर ली है और अंतरराष्ट्रीय कॉलों को प्रच्छन्न तरीके से स्थानीय नंबरों (+91-xxxxxxxxxx) के रूप में दुरुपयोग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप कार्य करते हुए, हम एक सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करेंगे - जहां प्रत्येक नागरिक सुरक्षित, सशक्त और इस डिजिटल युग में फलने-फूलने के लिए तैयार हो।

डीएपी की जमाखोरी के आरोप में मुख्य कृषि अधिकारी निलंबित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिंह खुड़ियां के निर्देश पर फिरोजपुर के मुख्य कृषि अधिकारी (सीएओ) जगीर सिंह को ड्यूटी में लापरवाही और अनदेखी के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग वर्मा द्वारा यह कार्रवाई फिरोजपुर के डिप्टी कमिश्नर की शिकायत के आधार पर की गई है। जिक्र योग्य है कि मुख्य कृषि अधिकारी को पंजाब सिविल सेवा (सजा एवं अपील) नियम, 1970 के नियम संख्या 8 के तहत चार्जशीट भी किया गया है। निलंबन के दौरान, यह अधिकारी एसएएस नगर में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के निदेशक के कार्यालय में रिपोर्ट करेगा।

फिरोजपुर के डिप्टी कमिश्नर ने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के ध्यान में यह मामला लाया था कि एसडीएम के नेतृत्व में एक टीम द्वारा फिरोजपुर में मैसर्स सचदेवा ट्रेडर्स के गोदामों की जांच की गई, जिसमें लगभग 161.8 एमटी (3,236 बोरियां) डीएपी खाद अवैध रूप से संग्रहित पाई गई।

इस फर्म ने अपने गोदामों में रखे इस डीएपी के भंडारण का ठोस रिकॉर्ड प्रस्तुत करने में असमर्थता जताई। इस मामले में मुख्य कृषि अधिकारी भी फिरोजपुर के डिप्टी कमिश्नर को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

AI: तो क्या नहीं होगी भविष्य में इंजीनियर की जरूरत, सुंदर पिचाई के इस बयान ने मचाई सनसनी

FUTURE TECHNOLOGY

AI : कोडिंग का भविष्य पिचाई की घोषणा एक ऐसे तकनीकी परिदृश्य की झलक देती है जहां AI मानव इंजीनियरों के प्रतिस्पर्धी के बजाय उनके सहयोगी के रूप में काम करता है। जैसे-जैसे AI कोड तैयार करता है और विकास में इंजीनियरों का समर्थन करता है, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग खुद को बदल रही है।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर लंबे समय से कहा जा रहा है कि यह आने वाले समय में कई क्षेत्रों में इंसानों की जरूरत को खत्म कर देगा। कई एक्सपर्ट इस बात को नकारते हैं और कई इसका समर्थन करते हैं। कुछ दिन पहले भारत दौरे पर आए एनवीडिया के सीईओ ने कहा एआई से किसी की नौकरी नहीं जाएगी, बल्कि काम के तरीके बदल जाएंगे।

अब Google के CEO सुंदर पिचाई ने कहा है कि अब Google के नए कोड का 25 प्रतिशत से अधिक हिस्सा AI द्वारा तैयार किया जा रहा है यानी इन कोड को सॉफ्टवेयर इंजीनियर नहीं लिख रहे हैं। हां, यह जरूर है कि इन कोड का इंजीनियर ही रिव्यू करते हैं। पिचाई का यह बयान सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र का एक भयावह सत्य है।

पिचाई द्वारा कोडिंग और AI के बारे में कही गई मुख्य बातें

Google के कोड का एक चौथाई से अधिक अब AI द्वारा लिखा जा रहा है। हाल ही में CEO सुंदर पिचाई ने कंपनी की Q3 2024 मीटिंग के दौरान यह बड़ी जानकारी साझा की कि Google के सभी नए कोड का 25 प्रतिशत से अधिक अब AI द्वारा तैयार किया जाता है, जिसे अंतिम समीक्षा के लिए इंजीनियरों द्वारा जांचा जाता है।

यह एक परिवर्तनकारी बदलाव का संकेत है, जो AI की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है, जो Google के विकास प्रक्रियाओं को तेज और सरल बना रहा है। पिचाई की इस घोषणा से यह स्पष्ट होता है कि Google AI को अपनी कार्यप्रणालियों में गहराई से शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो तकनीकी क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की ओर इशारा कर रहा है।

इंजीनियरों पर प्रभाव AI द्वारा तैयार किए गए कोड Google के सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की जिम्मेदारियों को नया रूप दे रहा है, जो अब AI द्वारा बनाए गए कार्य की समीक्षा और परिष्करण पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इस बदलाव से इंजीनियर्स उच्च-स्तरीय समस्या समाधान और जटिल कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकते हैं, बजाय इसके कि वे सामान्य कोडिंग कार्यों में समय व्यर्थ करें। इसका अर्थ है कि इंजीनियरों को AI से खतरा महसूस करने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि AI कोडर्स को विकास के अधिक रणनीतिक और रचनात्मक पहलुओं में संलग्न होने में सक्षम बना सकता है।

Google का AI दृष्टिकोण कोडिंग में AI का इस्तेमाल Google की व्यापक योजना का हिस्सा है, जिससे कंपनी के संचालन को सरल बनाया जा सके। हाल ही में इस टेक दिग्गज ने अपनी अनुसंधान, मशीन लर्निंग और सुरक्षा टीमों का पुनर्गठन किया है, जिन्हें अब प्लेटफॉर्म और डिवाइसेज डिवीजनों के साथ एकीकृत कर दिया गया है।

इस संरचनात्मक बदलाव का उद्देश्य AI मॉडल, जैसे Google Gemini, को तेजी से लागू करने की प्रक्रिया को सरल बनाना है। इन टीमों को एकीकृत करके, Google खुद को तकनीकी प्रगति का तेजी से जवाब देने और AI-आधारित समाधान को और अधिक कुशलता से पेश करने के लिए तैयार कर रहा है।

कोडिंग का भविष्य पिचाई की घोषणा एक ऐसे तकनीकी परिदृश्य की झलक देती है जहां AI मानव इंजीनियरों के प्रतिस्पर्धी के बजाय उनके सहयोगी के रूप में काम करता है। जैसे-जैसे AI कोड तैयार करता है और विकास में इंजीनियरों का समर्थन करता है, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग खुद को बदल रही है।

यह बदलाव कोडिंग करियर का अंत नहीं बल्कि एक नए युग का संकेत देता है जहां AI इंजीनियरों को अधिक कुशलतापूर्वक नवीन समाधान देने में सहायता करता है, जिसमें मानव निगरानी गुणवत्ता और नैतिक मानकों को बनाए रखती है।

MORNING ROUTINE

अलार्म लगाकर झटके से उठने की बजाय पॉजिटिव एनर्जी के लिए करें ये काम

अलार्म की आवाज के साथ झटके से उठते हैं और सारा मूड खराब हो जाता है तो इस रूटीन को फॉलो करें, मिलेगी पॉजिटिव एनर्जी।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

फेस्टिवल्स खत्म हो जाएंगे और सोमवार से सब डेली रूटीन में लग जाएंगे। दिनचर्या का सबसे बुरा पार्ट होता है जब हम अलार्म लगाकर सोते हैं और सुबह अलार्म की आवाज से झटके से उठते हैं और सारा मूड खराब होता है। हर इंसान थोड़ी देर और सोना चाहता है लेकिन काम की जल्दी सबको होती है।

अगर आप चाहते हैं कि आपकी सुबह अच्छी, शांत और खुशनुमा हो। जिससे कि ना केवल माइंड रिलैक्स रहे बल्कि शरीर को पॉजिटिव एनर्जी मिले और पूरा दिन अच्छा गुजरे। तो अलार्म लगाने का ये तरीका अपनाएं।

ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें

अपने मोबाइल, घड़ी में ट्यून वाले अलार्म ना सेट करें। ऐसे अलार्म टोन जो तेज आवाज में बजते हैं और जिन्हें सुनकर आप झटके में उठकर बैठ जाते हैं। इस तरह के अलार्म ज्यादातर स्नूज करके लोग सो जाते हैं। साथ ही इन अलार्म टोन से निगेटिव वाइब्स मिलती है और हर किसी को लगता है कि बस काम के लिए देर हो रही है।

मन को शांत करने वाले अलार्म

ज्यादातर लोग रात को अलार्म लगाकर सोते हैं। जब आप पूरी तरह से अलार्म पर ही डिपेंड हैं तो हमेशा ऐसे अलार्म टोन को सेट करें जो ना केवल धीरे से बचे बल्कि मन को शांत करें। किसी इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक या अपने फेवरेट सूदिंग म्यूजिक को सेट करें। जिसकी आवाज कानों में पड़े तो आपका मूड फ्रेश हो जाए और उठने में अच्छा लगे।

लगाएं कोई धार्मिक मंत्र

पॉजिटिव एनर्जी के लिए लोग धार्मिक चीजों पर डिपेंट करते हैं। तो आप अपने अलार्म टोन के लिए किसी धार्मिक मंत्र या म्यूजिक को चुन सकते हैं। जिसे सुनकर आप एनर्जेटिक और पॉजिटिव फील करें। इस तरह की आवाज जब कानों में पड़ती है तो माइंड रिलैक्स होता है और खुश होता है। जिससे आप तेजी से अपने रूटीन में लग जाते हैं और पूरा दिन माइंड फ्रेश रहता है।

सिर दर्द की समस्या है तो डॉक्टर के बताए इन कामों को जरूर करें

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

काफी सारी महिलाओं को सिर दर्द की समस्या परेशान करती है। जिसे हर बार माइग्रेन समझने की गलती नहीं करनी चाहिए। लेकिन कुछ दिनों से अगर सिर दर्द की समस्या बढ़ गई है तो डॉक्टर की बताई इन बातों पर ध्यान जरूर दें। जिससे सिर दर्द की समस्या में आराम मिल सके।

- एम्स के न्यूरोलॉजी की डॉक्टर प्रियंका शेहरावत ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ टिप्स शेयर किया है। जिसमे बताया है कि महिलाओं को अगर सिर दर्द की समस्या कुछ दिनों से बढ़ रही हैं और वो पीरियड्स से जुड़ी, हार्मोस से जुड़ी, ब्लीडिंग से जुड़ी या यूटरस से जुड़ी किसी तरह की दवा ले रही हैं तो इन 2 कामों को जरूर करें।
- कम से कम 7-8 की नींद जरूर लें।
- दिनभर में 6-8 गिलास पानी पिएं और शरीर को हाइड्रेटेड रखें।
- रोजाना सुबह एक टाइम पर ब्रेकफास्ट करने की आदत डालें और ब्रेकफास्ट को स्किप ना करें।
- अगर सिर दर्द की समस्या अक्सर परेशान करती है तो इंटरमिटेंट फास्टिंग यानी लंबे समय तक खुद को भूखा ना रखें।
- खाली पेट चाय या कॉफी पीने की भूल ना करें। साथ ही शाम को 6 बजे के बाद किसी भी तरह की चाय या कॉफी ना पिएं।
- सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्या उभर आती है तो सीधे धूप में ना जाएं। आंखों को धूप की रोशनी से बचाने के लिए सनग्लासेज लगाएं या छाता लगाकर जाएं।
- बेड पर जाने के कम से कम दो घंटे पहले सारे डिजिटल डिवाइस टीवी, मोबाइल, लैपटॉप बंद कर दें।
- तेज आवाज में बोलने की कोशिश ना करें और ना ही शोर-शराबे वाली जगह पर जाएं।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

मूली के साथ भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये चीजें, सेहत को फायदा नहीं होता है नुकसान

सेहत के लिए इतनी फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं मूली का सेवन अगर गलत चीजों के साथ कर लिया जाए तो ये सेहत को फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचाने लगती है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सर्दियां शुरू होते ही बाजार में सलाद और पराठों का स्वाद बढ़ाने वाली मूली भी नजर आने लगती है। मूली का सेवन करने से सेहत को कई तरह के फायदे मिलते हैं। मूली में मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन ए, बी और सी प्रचूर मात्रा में मौजूद होते हैं। जो स्वाद के साथ अनजाने में सेहत से जुड़ी कई परेशानियां भी दूर करते हैं। मूली का सेवन गैस की समस्या में राहत देने के साथ इम्यूनिटी और पाचन तंत्र को भी हेल्दी बनाए रखता है। सेहत के लिए इतनी फायदेमंद होने के बावजूद क्या आप जानते हैं मूली का सेवन अगर गलत चीजों के साथ कर लिया जाए तो ये सेहत को फायदा पहुंचाने की जगह नुकसान पहुंचाने लगती है। आइए जानते हैं ऐसे ही 5 फूड्स के बारे में, जिनके साथ भूलकर भी मूली का सेवन नहीं करना चाहिए।

इन चीजों के साथ भूलकर भी नहीं करें मूली का सेवन

मूली के साथ दूध

मूली को कच्चा या इसे बनी किसी भी चीज को खाने से पहले या बाद में दूध का सेवन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से आपको त्वचा से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। जो कई बार ठीक होने बहुत समय लेती है।

मूली के साथ संतरा

मूली के साथ संतरा खाने से भी बचना चाहिए। मूली के साथ संतरा खाने से पेट से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं।

मूली के साथ करेला

सर्दियों में पराठे के साथ करेला की सब्जी खाने में बेहद स्वादिष्ट लगती है। लेकिन मूली के साथ कभी भी करेला खाने की गलती नहीं करनी चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को सांस से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। बता दें, रात को ये समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है।

मूली के साथ पनीर

सर्दियों में मूली और पनीर दोनों ही चीजों का स्वाद बेहद पसंद किया जाता है। लेकिन आप अगर मूली का सेवन कर रहे है तो आपको इसके बाद पनीर का सेवन करने से बचना चाहिए। ऐसा ना करने से व्यक्ति को स्किन से जुड़े रोगों के होने का जोखिम बढ़ सकता है।

मूली के साथ चाय

मूली के साथ चाय का कॉम्बिनेशन बेहद खतरनाक माना जाता है। दोनों चीजों का एक साथ सेवन आपके लिए कब्ज और एसिडिटी की समस्या पैदा कर सकता है। इसके पीछे का कारण है कि मूली की तासीर ठंडी होती है जबकि चाय की तासीर गर्म होती है। दोनों की तासीर एक दूसरे के विपरीत होने की वजह से ये पाचन से जुड़ी समस्याएं पैदा कर सकता है।

क्या होता है मिरेकल जूस और कैसे किया जाता है तैयार, बच्चे को मिलते हैं गजब के फायदे

Parenting

जालंधर ब्रीज (फीचर) .

बच्चों को खाना खिलाना एक बहुत बड़ा टास्क है। अगर आप चाहते हैं कि बच्चे की हेल्थ को नैचुरल चीजों की मदद से बेहतर बनाया जा सके तो उनके खान पान में सही चीजों को शामिल करना होगा। इसके लिए सबसे बेस्ट है मिरेकल जूस। ये जूस इम्यूनिटी बढ़ाने और पाचन को बूस्ट करने में काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

क्या होता है मिरेकल जूस : न्यूट्रिशनिस्ट सुमन अग्रवाल ने रणवीर के पोडकास्ट शो पर बताया कि मिरेकल जूस काफी ज्यादा फायदेमंद होता है, खासकर बच्चों के लिए। इस जूस को पीने से घर बैठे ही कम खर्च में आप अपनी बॉडी में खून की मात्रा को बढ़ा सकते हैं और इसके साथ ही शरीर को कई पोषक तत्व भी मिलते हैं।

कैसे बनाएं मिरेकल जूस : यह जूस टमाटर, अनार, आंवला, गाजर और एक चौथाई चुकंदर से बनता है। इसके लिए सबसे पहले सभी चीजों को अच्छी तरह से धो लें और फिर अनार, गाजर और चुकंदर को छील कर काट लें। अब सभी चीजों को एक साथ मिलाएं और फ्रेश जूस बनाकर तैयार करें। ये जूस बच्चे को रोज सुबह नाश्ते में दे सकते हैं।

फायदेमंद है ये जूस : जूस में कई विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स से होते हैं। जिससे बच्चों को मानसिक और शारीरिक ग्रोथ में मदद मिलती है। आयरन से भरपूर चुकंदर बच्चों में खून की कमी होने से रोकता है।

• जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो बच्चों की इम्युनिटी को मजबूत करते हैं। इसकी वजह से संक्रमण और बीमारियों से लड़ने में मदद मिलती है।

• जूस में विटामिन ए होता है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने में मददगार होता है। वहीं जूस में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स बच्चों के दिमाग के ग्रोथ में मदद करते हैं और उसकी याद्दाश्त को बढ़ाते हैं।

• जूस बनाने के लिए टमाटर का इस्तेमाल भी किया जाता है। जिसमें लाइकोपीन नामक एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से लड़ता है।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

शादी से पहले ऐसा रखें डाइट चार्ट, जानें मोटापे से दूर रहने के लिए किन गलतियों को करने से बचें

HEALTH

अपनी शादी में फिट और खूबसूरत हर लड़की दिखना चाहती है। पर, इसके लिए खानपान में किस हद तक बदलाव करना ठीक है?

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

किसी भी लड़की के लिए वो दिन सबसे खास होता है, जब वो शादी के बंधन में बंधती है। सबकी निगाहें भी उसकी ओर ही होती हैं क्योंकि वही तो उस पूरे समारोह की रौनक होती है। ऐसे में हर दुल्हन की ख्वाहिश होती है कि शादी वाले दिन वो खूबसूरत और शानदार लगे। लेकिन शादी की तैयारियों की थकान और जीवन की नई पारी शुरू करने के जोश के बीच अकसर सेहत की अनदेखी होने लगती है। आपसे ऐसी अनदेखी न हो, इसके लिए एक बेहतर डाइट प्लान और संतुलित लाइफस्टाइल जरूरी है।

क्यों जरूरी है डाइट प्लान?

सुंदर और फिट दिखने के लिए शादी के छह महीने पहले से डाइट प्लान पर काम करना शुरू कर दें। जितनी जल्दी आप प्री-वेडिंग डाइट लेना शुरू करेंगी, उतना बेहतर होगा। स्वस्थ रहने के लिए हमारे पाचन तंत्र का ठीक तरह से काम करना जरूरी है और जब आप संतुलित व पोषक भोजन का सेवन करती हैं, तब न केवल पाचन तंत्र अच्छा रहता है बल्कि पोषक तत्वों का अवशोषण भी बेहतर होता है। इसका सीधा असर शारीरिक,मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ पर पड़ता है। शादी से पहले अपने खानपान में किन बातों का रखें ध्यान, आइए जानें :

क्रैश डाइट न लें : कई लड़कियां शादी के दिन स्लिम और फिट दिखने के लिए क्रैश डाइट शुरू कर देती हैं। यह सेहत के लिहाज से ठीक नहीं है। खाने की प्लेट से कार्बोहाइड्रेट को गायब बिल्कुल न करें। कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट से भरपूर खाद्य पदार्थों जैसे साबुत अनाज और उनसे बनें उत्पादों का सेवन जरूर करें। दाल, सब्जियां, फल, सूखे मेवे और बीज भी खाएं। खाने के बीच का गैप ज्यादा न रखें। हर तीन घंटे पर कुछ-न-कुछ खाएं और रात का खाना 7.30 बजे से पहले खा लें। अपनी डाइट में कुछ सफेद चीजों जैसे मैदा, सफेद चीनी, नमक और सफेद चावल की मात्रा बिल्कुल कम या खत्म कर दें।

पानी से न करें समझौता : शरीर में पानी की कमी न होने दें। पर्याप्त मात्रा में पानी के सेवन से त्वचा, बाल और नाखून भी हमेशा स्वस्थ और चमकदार रहते हैं। तरल पदार्थों का सेवन वजन कम करने में भी मदद करता है। दिन भर में 2-3 लीटर पानी जरूर पिएं।

आजमाएं यह डाइट चार्ट : सुबह : सुबह उठते ही ब्रश करने के बाद एक गिलास गुनगुना पानी पिएं

नाश्ते से पहले : 4-5 भीगे हुए बादाम/एक केला/नीबू-पानी जिसमें कुछ बूंद अदरक का रस हो/जीरे का पानी/ग्रीन टी पिएं।

सुबह का नाश्ता : इडली-सांबर/सब्जियों के साथ ओट्स/अंडे की सफेदी से बना ऑमलेट/ एक गिलास ऑरेंज जूस के साथ/पोहा/उपमा/ओट्स का चीला/पपीता, केला या पालक की स्मूदी/उबले हुए अंडे

स्नैक्स : चने, मूंगफली या अंकुरित अनाज से बना सलाद। इसमें आप टमाटर, प्याज और खीरा भी मिला सकती हैं। गार्निशग के लिए नीबू का रस, साल्ट या चाट मसाले का प्रयोग करें। इसके अलावा स्नैक्स में फ्रूट, सलाद या उबले अंडे ले सकती हैं

दोपहर का खाना : रोटी या चावल, हरी सब्जियां, दाल, सब्जी, दही

स्नैक्स : फ्रूट सलाद/एक मुट्ठी सूखे मेवे या बीज/रोस्ट किए हुए मखाने/एक गिलास छाछ

रात का खाना : रोस्टेड या ग्रिल्ड चिकन के साथ सलाद/दाल और सब्जी के साथ मेथी की रोटी/दाल और सब्जी के साथ रोटियां

ये भी रखें ध्यान

इनसे सुधारें बाल-त्वचा की सेहत : बाल और त्वचा की अच्छी सेहत के लिए बादाम, टमाटर, स्ट्रॉबेरी, चुकंदर, अनार, अखरोट, सूरजमुखी के बीज और लाल या पीली शिमला मिर्च को डाइट का हिस्सा बनाएं।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

ट्रंप की जीत पर भारतवंशी अमेरिकी खुश दोनों देशों के रिश्तों के भविष्य पर बोले

फॉरेन इंडियन एसोसिएशन नामक संगठन के अध्यक्ष अविनाश गुप्ता को लगता है कि पीएम मोदी के डोनाल्ड ट्रंप के साथ अच्छे संबंध हैं और इसके चलते दोनों देशों के रिश्तों में आज प्रगाढ़ता आएगी।

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में बड़ी संख्या में भारतीय अमेरिकी लोगों ने भी ट्रंप का समर्थन किया था। अब ट्रंप की जीत से भारतीय अमेरिकियों का ये वर्ग खुश है और उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप के कार्यकाल में भारत और अमेरिका के संबंध और मजबूत होंगे। साथ ही वे अर्थव्यवस्था, सीमा सुरक्षा और वैश्विक शांति को लेकर भी आशावान हैं।

ट्रंप की जीत पर क्या बोले भारतवंशी नेता

फॉरेन इंडियन एसोसिएशन नामक संगठन के अध्यक्ष अविनाश गुप्ता को लगता है कि पीएम मोदी के डोनाल्ड ट्रंप के साथ अच्छे संबंध हैं और इसके चलते दोनों देशों के रिश्तों में आज प्रगाढ़ता आएगी। अविनाश गुप्ता ने कहा कि 'उन्होंने उसे वोट किया, जो भारत-अमेरिकी दोस्ती के लिए सबसे सही था। राष्ट्रपति ट्रंप के प्रधानमंत्री मोदी के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। साथ ही जिन स्थानीय मुद्दों पर ट्रंप का समर्थन किया गया, उनमें महंगाई, सीमाओं की सुरक्षा और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में चल रहे युद्धों आदि जैसे मुद्दे हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि अर्थव्यवस्था बेहतर होगी और वैश्विक शांति स्थापित होगी।'

'मोदी और ट्रंप युद्धों के खिलाफ'

भारतवंशी अमेरिकी नेता आलोक कुमार ने कहा कि 'भारत और अमेरिका दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने लोकतंत्र हैं और दोनों देशों के मूल्य साझा हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी, दोनों ने ही वैश्विक संघर्षों को खत्म करने की अपील की है और

मुझे लगता है कि ट्रंप प्रशासन इस दिशा में प्रयास जरूर करेगा।'

रिपब्लिकन पार्टी के नेता और रिपब्लिकन हिंदू कोएलिशन के संस्थापक शलभ सलिल कुमार ने कहा कि 'स्विंग स्टेट में जहां कांटे की टक्कर थी, वहां हम बड़ी संख्या में हिंदू मतदाताओं को ट्रंप के पक्ष में लाने में कामयाब हुए और उन्होंने बड़ा अंतर पैदा किया। शलभ ने कमला हैरिस की आलोचना करते हुए कहा कि वह सिर्फ आधी हिंदू हैं और वे वामपंथी विचारधारा की समर्थक हैं और हम भारतीय मतदाताओं को उनकी असलियत बताने में कामयाब रहे।'

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक जीत के बाद उनका दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। इससे पहले साल 2020 में उन्हें जो बाइडन के सामने हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि इस बार ट्रंप ने कमला हैरिस को हराकर फिर से व्हाइट हाउस जाना तय कर लिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर क्या असर डालेगी ट्रंप की जीत, पश्चिम एशिया और चीन के साथ कैसे होंगे रिश्ते?

• **जालंधर ब्रीज** . वर्ल्ड न्यूज

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में जीत का असर अब इस देश की विदेश नीति पर दिखने की भी संभावना है। खासकर जनवरी 2025 से, जब डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ ले लेंगे। इस बीच कई हलकों में चर्चा है कि आखिर रूस-यूक्रेन युद्ध को रुकवाने का दावा करने वाले ट्रंप अब राष्ट्रपति बनने के बाद क्या करेंगे। इसके अलावा इस्राइल-हमास और इस्राइल-हिजबुल्ला संघर्ष रोकने में उनकी क्या भूमिका होगी। लोगों के मन में यह भी सवाल हैं कि चीन के लिए ट्रंप का क्या रुख होगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध पर : माना जा रहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रुकवाने के वादे पर टिके रहेंगे। वह इसके लिए दोनों देशों को उन्हीं जगहों पर रुकने का प्रस्ताव दे सकते हैं, जहां उनकी सेनाएं अभी मौजूद हैं। हालांकि, ट्रंप की इस कोशिश से रूस को यूक्रेन के क्षेत्र में कब्जा करने में मदद मिलेगी, क्योंकि रूसी सेना फरवरी 2022 में हमले के बाद से अब तक यूक्रेन का काफी इलाका घेर चुकी है। इतना ही नहीं ट्रंप रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की उस मांग को भी मान सकते हैं, जिससे यूक्रेन को नाटो की सदस्यता नही मिलेगी।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर : दूसरी तरफ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर ट्रंप का रुख रूस-यूक्रेन संघर्ष के मुकाबले पूरी तरह अलग रह सकता है। ट्रंप इस्राइल और सऊदी अरब के कट्टर समर्थक रहे हैं। ऐसे में ईरान के मामले में उनका रुख और भी कड़ा हो सकता है। इसके लिए वह इस्राइल की हमास और हिजबुल्ला के खिलाफ जंग का भी समर्थन कर सकते हैं। दरअसल, हमास और हिजबुल्ला दोनों को ही ईरान का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से समर्थन जारी रहा है। इसके अलावा यमन में हूती भी ईरानी समर्थन से काफी बढ़े हैं। ऐसे में ट्रंप पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित संगठनों के खिलाफ संघर्ष का समर्थन कर सकते हैं।

इतना ही नहीं इस्राइल का समर्थन ट्रंप को रूस के खिलाफ भी अहम बढ़त दिला सकता है। दरअसल, यूक्रेन के खिलाफ जंग में रूस को बड़े स्तर पर ईरानी हथियारों पर निर्भर होना पड़ रहा है। ऐसे में इस्राइल को मजबूत करने से ईरान कमजोर पड़ेगा और इसका असर रूस की हथियारों की आपूर्ति पर भी पड़ेगा। ऐसे में ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध में भी इस्राइल के युद्ध को रुकवाने का इस्तेमाल कर सकते हैं।

जहां यूक्रेन और पश्चिम एशिया में स्थितियों को लेकर अब अमेरिकी नीति में बदलाव होगा, वहीं चीन के मुद्दे पर ट्रंप अपनी पुरानी नीति ही

अपना सकते हैं। इससे पहले बाइडन सरकार ने भी ट्रंप के पहले कार्यकाल की नीतियों के जरिए चीन के मुद्दे को संभाला। यानी चीन के मामले में अमेरिकी रुख में बदलाव मुश्किल है। इतना ही नहीं चीन के मामले में आगे और सख्त हो सकते हैं और अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए चीन पर आयात शुल्क बढ़ा सकते हैं।

इसके अलावा चीन के साथ टकराव के दौरान वे ताइवान के मुद्दे पर भी मुखर हो सकते हैं। दरअसल, अपनी अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत ट्रंप किसी भी देश की सुरक्षा के लिए खुद से आगे न आने की बात कहते रहे हैं। ऐसे में चीन से कुछ ही दूरी पर स्थित ताइवान के लिए ट्रंप का रवैया मुश्किलें पैदा कर सकता है। ट्रंप अपनी नीतियों के तहत एशिया में अमेरिका के पारंपरिक साथियों- फिलीपींस, दक्षिण कोरिया और जापान से संधि करने और इसके बाद ही उन्हें सुरक्षा गारंटी देने का वादा कर सकते हैं।

बेहतर सड़क सुरक्षा की दिशा में

सड़क परिवहन, भारत में परिवहन का प्रमुख साधन है और यात्री एवं माल यातायात के संदर्भ में इसका निरंतर विस्तार हो रहा है। सड़क नेटवर्क और वाहन बेड़े के तेजी से विस्तार और परिणामस्वरूप गति में हुई वृद्धि के कारण, हर साल लगभग 4.5 लाख दुर्घटनाएँ और 1.5 लाख मौतें होती हैं, जिससे अनुमान है कि सकल घरेलू उत्पाद के 3% का आर्थिक नुकसान होता है। दुर्घटना के आंकड़ों से पता चलता है कि 68% मौतें में सड़क उपयोगकर्ताओं का कमज़ोर समूह, जैसे दोपहिया वाहन, पैदल यात्री और साइकिल चालक शामिल होता है। सड़क दुर्घटना के मुख्य कारण हैं - तेज़ गति से वाहन चलाना, ड्राइवरों का ध्यान भटकना, मोबाइल का उपयोग और लाल बत्ती का उल्लंघन करना आदि। आधी से ज़्यादा मौतें देश की 35 वर्ष से कम आयु की युवा आबादी की होती हैं। प्रतिकूल सामाजिक प्रभावों

जालंधर ब्रीज

धर्मानंद सारंगी
(महानिदेशक (सड़क विकास) तथा विशेष सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)

पंकज अग्रवाल
(मुख्य अभियंता (सड़क सुरक्षा), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय)

को रोकने और सतत आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षित सड़क परिवहन में सुधार करना अनिवार्य है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में और माननीय मंत्री (सड़क परिवहन एवं राजमार्ग) के कुशल मार्गदर्शन में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्रालय इस दशक के अंत तक प्रभावी परिणाम प्राप्त करने के क्रम में 4ई (अर्थात इंजीनियरिंग, कार्यान्वयन, जागरूकता और आपातकालीन देखभाल) को स्थायी तौर पर मजबूत करने के लिए एक व्यापक योजना की अवधारणा तैयार कर रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क 6.3 मिलियन किलोमीटर के कुल सड़क नेटवर्क का 2.3% है, लेकिन कुल सड़क यातायात में इसकी हिस्सेदारी 40% है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलने वाले यातायात की औसत गति अधिक होती है और भारी वाणिज्यिक वाहनों का प्रतिशत भी अधिक होता है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग एक तिहाई मौतें और दुर्घटनाएँ राष्ट्रीय राजमार्गों पर होती हैं। मंत्रालय ने परियोजना कार्यान्वयन के सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट को अनिवार्य कर दिया है, ताकि किसी भी नई परियोजना में इंजीनियरिंग दोष न होना सुनिश्चित किया जा सके। मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी ब्लैक स्पॉट (दुर्घटना संभावित क्षेत्र) को खत्म करने के लिए पूरे भारत में अभियान शुरू किया है। पहचान किये गए कुल 13795 ब्लैक स्पॉट में से 9525 ब्लैक स्पॉट पर गति नियंत्रण उपाय, फुटपाथ चिह्न, सड़क संकेत, सोलर स्टड, पैदल यात्री क्रॉसिंग, रंबल स्ट्रिप्स (पट्टियों से वाहनों के गुजरने पर गड़गड़ाहट की आवाज होती है) इत्यादि जैसे अल्पकालिक उपाय पूरे किए जा चुके हैं और शेष स्पॉट को मार्च, 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विश्लेषण से पता चला है कि अल्पकालिक उपाय 85% ब्लैक स्पॉट्स में प्रभावी रहे हैं और इसके परिणामस्वरूप मृत्यु और गंभीर चोटों वाली दुर्घटनाओं में कमी आई है। 4593 ब्लैक स्पॉट्स पर दीर्घकालीन उपाय, जैसे रेलिंग के साथ फुटपाथ का प्रावधान, जंक्शन सुधार, फ्लाईओवर, सड़क चौड़ीकरण, ज्यामितीय सुधार, फुट ओवर ब्रिज इत्यादि पूरे किए जा चुके हैं और शेष, जहाँ आवश्यक है, को 2026-27 तक पूरा करने का लक्ष्य है। पिछले 2 वर्षों में, जिन 5 किलोमीटर या उससे अधिक लंबाई के एनएच खंडों में कोई मौत नहीं हुई है, वे व्यापक नमूने के अध्ययन के आधार पर एनएच नेटवर्क का लगभग 14.5% हिस्सा हैं। उक्त एनएच खंडों को सफेद गलियारों के रूप में प्रस्तावित किया गया है और क्षेत्रीय अधिकारियों को इन गलियारों की सुरक्षा करने और उन्हें अच्छी स्थिति में बनाए रखने के लिए जागरूक किया गया है। निर्माण क्षेत्र सुरक्षा उपायों को पूरी गंभीरता से लागू किया जा रहा है।

मंत्रालय ने ई-डीएआर (इलेक्ट्रॉनिक विस्तृत दुर्घटना रिपोर्ट) की शुरुआत की है, जो दुर्घटना डेटा की रिपोर्ट, प्रबंधन और विश्लेषण के लिए एक केंद्रीय डेटा भंडार है। दुर्घटना स्थलों की तुरंत पहचान की जाती है और संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा इंजीनियरिंग दोष का आकलन करने के लिए उनका दौरा किया जाता है। यदि आवश्यक हो, तो स्थल पर आवश्यकता के अनुसार समाधान के उपाय लागू किए जाते हैं। जून, 2024 तक इंजीनियरिंग हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले 6014 दुर्घटना स्थलों में से लगभग 5446 दुर्घटना स्थलों पर इंजीनियरिंग दोष का उपयुक्त निवारण किया गया है। नई कारों और एसयूवी के सुरक्षा मूल्यांकन के लिए स्टार रेटिंग प्रणाली शुरू की गयी है - भारत नयी कार मूल्यांकन योजना (बीएनसीएपी), जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है। माननीय प्रधानमंत्री ने 13 अगस्त, 2021 को अनुपयुक्त और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए वाहन स्क्रैपिंग नीति की शुरुआत की थी। इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए पूरे देश में स्वचालित परीक्षण स्टेशनों (एटीएस) और पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र (आरवीएसएफ) का एक इकोसिस्टम स्थापित किया जा रहा है।

सड़क वर्गीकरण को ध्यान में रखे बिना, सड़कों पर कानून और व्यवस्था तथा विनियमन का कार्यान्वयन राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आता है। मंत्रालय ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए सड़क सुरक्षा की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कार्यान्वयन के लिए नियम अधिसूचित किए हैं तथा स्पीड कैमरा, सीसीटीवी, स्पीड गन, डैश कैम, बॉडी वियरेबल कैमरा जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण उपलब्ध कराये हैं। बच्चों के लिए सुरक्षा कवच/क्रैश हेलमेट अनिवार्य करने के लिए अधिसूचना जारी की गई है। मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम में यातायात नियमों के उल्लंघन के लिए आर्थिक दंड में भी वृद्धि की गयी है। सड़क सुरक्षा पर लोगों को प्रशिक्षण और जागरूक बनाना समय की मांग है, ताकि वाहन चलाते समय या सड़क का उपयोग करते समय मानवीय त्रुटियों को कम किया जा सके। मंत्रालय ने बच्चों में सड़क सुरक्षा के बारे में अच्छी प्रथाओं को विकसित करने के लिए कार्यक्रमों का एक सेट तैयार किया है और शिक्षा मंत्रालय से स्कूली शिक्षा, 2023 की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) में इसे शामिल करने का अनुरोध किया है। मंत्रालय ने राज्य और जिला स्तर पर अत्याधुनिक क्षेत्रीय वाहन-परिचालन केंद्र (आरडीटीसी), वाहन-परिचालन प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना भी लागू की है।

एक अनुमान के अनुसार, यदि पीड़ितों को गोल्डन ऑवर (दुर्घटना के बाद के 2 घंटे) के दौरान उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, तो काफी संख्या में होने वाली मौतों को टाला जा सकता है। मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण और वित्तीय सेवा विभाग के सहयोग से सड़क दुर्घटना पीड़ितों को अधिकतम 7 दिनों की अवधि में 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार प्रदान करने के लिए «मोटर वाहनों के कारण सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों के लिए कैशलेस उपचार योजना» को अंतिम रूप दिया है और इसे मंजूरी दी है। इस योजना को जल्द ही अखिल भारतीय स्तर पर लॉन्च किया जाएगा। यह योजना अस्पतालों को समयबद्ध तरीके से सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य करती है। विभिन्न विश्लेषणों से यह स्पष्ट होता है कि चुना गया मार्ग और अपनाई गई कार्ययोजना सही दिशा में है तथा सकारात्मक और उत्साहवर्धक है। हालाँकि, मृत्यु दर में 50% कमी लाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इस लक्ष्य के लिए मंत्रालय प्रतिबद्ध है और राज्य सरकारों के साथ मिलकर लगातार काम कर रहा है। सभी संबंधित सरकारी विभागों, गैर सरकारी संगठनों और सड़क उपयोगकर्ताओं को सड़क दुर्घटनाओं और उनकी गंभीरता को रोकने और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करना होगा।

एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बेलेम, ब्राजील में जी-20 की डीआरआरडब्ल्यूजी की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्रा के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 30 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2024 तक बेलेम, ब्राजील में आयोजित जी-20 की आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्य समूह (डीआरआरडब्ल्यूजी) की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लिया।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सक्रिय भागीदारी के कारण से आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डीआरआर) पर पहली मंत्रिस्तरीय घोषणा को अंतिम रूप देने में सर्वसम्मति बनी। डॉ. पी.के. मिश्रा ने विभिन्न मंत्रिस्तरीय सत्रों के दौरान अपनी चर्चा में भारत में आपदा जोखिमों को कम करने और आपदा वित्तपोषण को बढ़ाने में भारत सरकार द्वारा की गई प्रगति को साझा किया। डॉ. पी.के. मिश्रा ने जी 20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान प्रतिपादित डीआरआरडब्ल्यूजी की पांच प्राथमिकताओं अर्थात प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, आपदा रोधी बुनियादी ढांचा, डीआरआर वित्तपोषण, प्रतिरोधी क्षमतापूर्ण पुनर्वास और प्रकृति आधारित समाधान पर

भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर जोर दिया। उन्होंने आपदा रोधी बुनियादी ढांचे पर प्रधानमंत्री की आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा गठबंधन (सीडीआरआई) की वैश्विक पहल को साझा किया। इस गठबंधन के अब 40 देश और 7 अंतर्राष्ट्रीय संगठन सदस्य हैं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने सेंडाई फ्रेमवर्क के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और वैश्विक स्तर पर आपदा से बचाव बढ़ाने के लिए ज्ञान साझा करने, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और सतत विकास पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के मंत्रियों के साथ ट्रोइका बैठक में भी भाग लिया और मेजबान देश ब्राजील और अन्य देशों जापान, नॉर्वे, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, जर्मनी के मंत्रियों और आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव ने अत्यधिक गर्मी पर यूएनएसजी के आह्वान पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप पारंपरिक प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान देने सहित उठाए जा रहे कदमों और अनुभव को साझा किया। 2023 में जी 20 की अध्यक्षता के दौरान भारत की पहल पर पहले डीआरआरड्ब्लयूजी का गठन किया गया था। डॉ. मिश्रा ने डीआरआरड्ब्लयूजी को जारी रखने और इसे मंत्री स्तर तक बढ़ाने पर ब्राज़ील की अध्यक्षता पर बधाई दी और दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष जी 20 की अध्यक्षता में डीआरआरड्ब्लयूजी पर भारत के समर्थन की पुष्टि की।

भारत की भागीदारी वैश्विक डीआरआर प्रयासों में इसकी बढ़ती भूमिका और एक सुरक्षित और अधिक आपदा रोधी विश्व के निर्माण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पश्चिमी कमांड के सेना कमांडर ने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल से की मुलाकात

जालंधर ब्रीज : लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी कमांड ने आज शिमला के राजभवन में हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल, श्री शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। इस मुलाकात का उद्देश्य सीमांत राज्य

के हित में महत्वपूर्ण बिंदुओं पर सिविल-मिलिट्री सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देना था। राज्य सैनिक बोर्ड और राष्ट्रीय सैन्य विद्यालय, चैल से संबंधित मुद्दे भी चर्चा के मुख्य बिंदुओं में शामिल थे। दोनों गणमान्य व्यक्तियों ने सशस्त्र बलों और सिविल प्रशासन के बीच मौजूदा सहयोग को मजबूत करने के लिए रणनीतियों पर अपने विचार साझा किए, जिसमें सामान्य चुनौतियों का सामना करने और साझा उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए समन्वय और परस्पर समर्थन की आवश्यकता पर जोर दिया गया। राज्यपाल ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सिविल अधिकारियों की सहायता में सेना की भूमिका की सराहना की और भारतीय सेना के सेवारत और सेवानिवृत्त सैनिक समुदाय के कल्याण से संबंधित मामलों में अनुकूल प्रतिक्रिया का आश्वासन दिया। सेना कमांडर ने राज्यपाल को उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया के लिए आभार व्यक्त किया, जिसके परिणामस्वरूप कई लंबित सिविल और सैन्य मुद्दों का समाधान हुआ। उन्होंने उभर रही सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने और क्षेत्र के समग्र विकास और कल्याण में योगदान देने के लिए सिविल प्रशासन और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर काम करने की भारतीय सेना की भूमिका को दोहराया।इस संवाद से सुरक्षा, विकास और कल्याण पहलों से संबंधित मामलों में सैन्य और सिविल प्रशासन के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने में बहुत मदद मिली है।

मेजर जनरल जगदीप सिंह चीमा ने नए एडीजी एनसीसी डायरेक्टरेट पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का कार्यभार संभाला

जालंधर ब्रीज : मेजर जनरल जगदीप सिंह चीमा ने एनसीसी डायरेक्टरेट पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ (पीएचएचपी एंड सी) के 13वें एडिशनल डायरेक्टर जनरल के रूप में कार्यभार संभाला है।

अपने 36 वर्षों की विशिष्ट सेवा का अनुभव के साथ नई भूमिका में, मेजर जनरल चीमा एनसीसी डायरेक्टरेट पीएचएचपी एंड सी की देखरेख करेंगे, जिसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ में आठ समूह मुख्यालय शामिल हैं। डायरेक्टरेट 56 जिलों के 2000 कॉलेजों और स्कूलों में लगभग 1.5 लाख कैडेट्स को प्रशिक्षण प्रदान करता है, जो युवाओं के समग्र विकास और भावी नेतृत्व करने वाले कैडेट्स को मार्गदर्शन देने पर केंद्रित है।

मेजर जनरल चीमा भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में एक योग्य प्रशिक्षक भी रहे हैं। उनकी शैक्षिक योग्यता में पंजाब विश्वविद्यालय से दो एम-फिल डिग्री और "भारतीय सशस्त्र बलों की संयुक्त युद्ध क्षमताओं का महत्वपूर्ण मूल्यांकन" पर शोध के लिए पीएचडी शामिल है।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़कवासला के पूर्व छात्र और 1988 में 223 मीडियम रेजिमेंट में कमीशन्ड, मेजर जनरल चीमा ने प्रतिष्ठित कमांड और स्टाफ असाइनमेंट्स में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसमें इथियोपिया और एरिट्रिया में यूएन मिशन और भारत के हाई कमीशन में रक्षा राजनायिक के रूप में भी कार्य किया है।

उनकी कमांड असाइनमेंट्स में 223 मीडियम रेजिमेंट की कमांड, बारामूला में आर्टिलरी ब्रिगेड और माउंटेन स्ट्राइक कोर (वेस्ट) के हिस्से के रूप में आर्टिलरी डिवीजन के जनरल ऑफिसर के पद शामिल हैं। स्टाफ असाइनमेंट्स में आर्मी हेडक्वार्टर में जीएसओ1, डिवीजनल हेडक्वार्टर में कर्नल क्यू, कॉर्प्स हेडक्वार्टर में कर्नल ए, ब्रिगेडियर ओएल और कमांड हेडक्वार्टर में मेजर जनरल आर्टिलरी रहे हैं।

नशे की समस्या पर जालंधर पंजाब में वार्ता आयोजित की गई,जागरूकता निर्माण सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ,जो 5-6 वर्ष की आयु से शुरू होना चाहिए : डिप्टी कमिश्नर जालंधर

• **जालंधर ब्रीज** . जालंधर/चंडीगढ़

भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय द्वारा आज 5 नवंबर, 2024 को जालंधर, पंजाब में नशे की समस्या पर वार्तालाप, मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई है। वार्तालाप का आयोजन पीआईबी द्वारा नशीले पदार्थों की लत के खतरे से निपटने के विभिन्न आयामों पर सरकार और चौथे स्तंभ के बीच सार्थक संवाद और विचारों के उपयोगी आदान-प्रदान को उत्पन्न करने के उद्देश्य से किया गया। वार्तालाप का उद्घाटन जालंधर के डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल ने किया। मीडिया को संबोधित करते हुए डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि नशा पूरे समाज को प्रभावित करता है और यह किसी क्षेत्र या राज्य तक सीमित नहीं है।

डीसी ने कहा कि प्रवर्तन मशीनरी के बाद रक्षा की तीसरी पंक्ति नागरिक समाज है, जिसे रक्षा की पहली दो पंक्तियों के लिए बहुत मजबूत और सहायक होना चाहिए। प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम में से डीसी ने कहा कि रोकथाम सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। "रोकथाम की शुरुआत स्कूल से ही होनी चाहिए, जब बच्चे 5-6 साल के होते हैं।" उन्होंने कहा कि अगर हम ड्रग्स की मांग में कटौती करते हैं, तो आपूर्ति अपने खुद ही एक उचित सीमा तक हल हो जाएगी। डीसी ने गुरदासपुर में सेवा करते समय लिए गए एक निर्णय के बारे में बताया कि जब ड्रग सामग्री पकड़ी जाती है, तो अधिकारी अब मात्रा का उल्लेख नहीं करेंगे और इसके बजाय यह सजा होगी जिसे मीडिया को दिए गए बयानों में उजागर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विचार यह है कि संचार ड्रग्स के उपयोग को रोकने के रूप में काम करना चाहिए, न कि उन लोगों के लिए प्रोत्साहन के रूप में

जो जल्दी पैसा कमाने की संभावना को देखते हुए इसमें शामिल होने के लिए प्रेरित महसूस कर सकते हैं। डीसी ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि एक समाज के रूप में, हम पुनर्वासित लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करें। "हमें युवाओं के पुनर्वास में अपना 100% देना होगा।" विशिष्ट अतिथि और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) (ग्रामीण), जालंधर श्री हरकमलप्रीत सिंह खख ने कहा कि अब समय आ गया है कि समाज नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से जुड़े कलंक को खत्म करे। परिवार के समर्थन के महत्व के बारे में बोलते हुए, एसएसपी ने कहा कि यदि परिवार स्वयं अपने बच्चों की देखभाल नहीं करता है और इस मुद्दे पर ध्यान नहीं देता है, तो उनमें नशे की लत लगने का खतरा अधिक होता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की भूमिका के बारे में बोलते हुए, डीआईजी, बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर, जालंधर, श्री ए. के. विद्यार्थी ने बताया कि प्रौद्योगिकी और संचार में प्रगति के मद्देनजर तस्करों के तौर-तरीके कैसे बदल गए हैं। "2021 से पहले, पाकिस्तान से तस्कर अंतरराष्ट्रीय सीमा या बाड़ रेखा के करीब आते थे और सीमा के हमारे तरफ से भी कोई इसे प्राप्त करने के लिए सीमा के करीब आता था। इसलिए यह एक जोखिम भरा प्रयास था। हालांकि, 2021 के बाद, ड्रोन दृश्य में आ गए, जिसने खेल को पूरी तरह से बदल दिया। अब पाकिस्तान के तस्करों को सीमा के करीब आने की जरूरत नहीं है। लोकेशन सेवाओं और मैसेजिंग सेवाओं जैसी अन्य संचार तकनीकों ने भी तस्करों के काम करने के तरीके को बदल दिया है। डीआईजी ने कहा कि हालांकि, बीएसएफ, भारत सरकार, पंजाब पुलिस सभी इस मामले पर बेहतरीन तालमेल और समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

डीसी तरनतारन का निजी सहायक व उसका साथी 20,000 रुपये रिश्वत लेते काबू

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत, तरनतारन के डिप्टी कमिश्नर के निजी सहायक हरमनदीप सिंह, क्लर्क हरसिमरनजीत सिंह (इलेक्शन सेल, तरनतारन), और ठेके पर नियुक्त डेटा एंट्री ऑपरेटर जगरूप सिंह के खिलाफ 20,000 रुपये रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया है। इस केस में हरमनदीप सिंह (पीए) और जगरूप सिंह (डेटा एंट्री ऑपरेटर) को रंगे हाथों पकड़ा गया, जबकि तीसरा साथी हरसिमरनजीत सिंह क्लर्क गिरफ्तारी से बचकर फरार हो गया है। यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि उपरोक्त दोषियों को संदीप सिंह, निवासी मोहल्ला टांक खत्रियां, तरनतारन की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि आरोपियों ने हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान प्रदान की गई वीडियोग्राफी सेवाओं के बिलों को क्लीयर करने के लिए 1,00,000 रुपये रिश्वत की मांग की थी, लेकिन सौदा 50,000 रुपये में तय हुआ। शिकायतकर्ता ने आगे आरोप लगाया कि आरोपियों ने 20,000 रुपये पहली किस्त के रूप में लिए थे।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि इस शिकायत की प्रारंभिक जांच के बाद, विजिलेंस ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाया और आरोपी हरमनदीप सिंह (पीए) और जगरूप सिंह (डेटा एंट्री ऑपरेटर) को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में 20,000 रुपये की रिश्वत की दूसरी किस्त लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा। इस मामले में अमृतसर रेंज विजिलेंस ब्यूरो थाने में भ्रष्टाचार रोधी कानून के तहत केस दर्ज किया गया है। दोषियों को अदालत में पेश किया जाएगा और मामले की आगे की पूछताछ जारी है।

एएनटीएफ की ओर से रिश्वत मांगने वाले व्यक्ति के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज

पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम के दौरान बीनू वर्मा निवासी धूरी, जिला संगरूर के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ए.एन.टी.एफ.) के नाम पर रिश्वत मांगने के आरोप में भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि यह केस पटियाला जिले के गांव रोहटी के निवासी अमनदीप उर्फ कालू द्वारा मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार विरोधी एक्शन लाइन पर दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ए.एन.टी.एफ.) पटियाला का एक कर्मचारी उसे झूठे केस में फंसाने की कोशिश कर रहा है। इस केस में बीनू वर्मा नाम के एक व्यक्ति ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया और कहा कि ए.एन.टी.एफ. के कर्मचारियों से उसकी जान-पहचान होने के कारण वह उसकी मदद कर सकता है। ए.एन.टी.एफ. के पुलिस कर्मचारी की ओर से 7 लाख रुपये रिश्वत की मांग की गई थी लेकिन सौदा 5 लाख में तय हुआ था। शिकायतकर्ता ने बीनू वर्मा के साथ हुई बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया और इसे सबूत के तौर पर विजिलेंस ब्यूरो को सौंप दिया।

उन्होंने आगे बताया कि इस शिकायत की जांच के दौरान लगाए गए आरोप सही पाए गए और उक्त व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया। उन्होंने कहा कि उक्त आरोपी गिरफ्तारी से बच रहा है और आगे की जांच में ए.एन.टी.एफ. के कर्मचारी की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

डीसी द्वारा आदमपुर फ्लाईओवर का दौरा

एन.एच.ए.आई. अधिकारियों को सप्ताह के भीतर सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय के साथ समन्वय करने को कहा

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने आदमपुर फ्लाई ओवर का दौरा किया और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को सड़क परिवहन और हाईवे मंत्रालय के समन्वय से सप्ताह के भीतर प्रारंभिक प्रक्रिया पूरी करने को कहा ताकि इस परियोजना को पूरा करने का मार्ग साफ किया जा सके। एस.डी.एम आदमपुर विवेक कुमार मोदी, सुनील फोगाट आईएएस (यूटी) सहित साईट का दौरा करते हुए अधिकारियों को फ्लाई ओवर के निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इसमें आने वाली समस्याओं का उचित समाधान किया जाए। इस दौरान डिप्टी कमिश्नर ने आदमपुर हवाई अड्डे तक जाती अप्रोच रोड के कार्य की भी समीक्षा की। इस मौके पर उन्होंने अधिकारियों को सड़क कार्य की गति तेज कर शेष 700 मीटर हिस्से को 30 नवंबर तक पूरा करने का आदेश दिया। इस अवसर पर डा.अग्रवाल अग्रवाल ने लोगों की सुविधा के लिए जालंधर-होशियापर हाईवे से आदमपुर हवाई अड्डे तक जाने वाली सड़क पर उचित साइनेज लगाने के भी निर्देश दिए। इस मौके पर आदमपुर एयरपोर्ट के डायरेक्टर पुष्पेंद्र कुमार निराला के अलावा एक्सियन नेशनल हाईवे, एक्सियन पीडब्लूडी. प्रांतीय मंडल, तहसीलदार आदमपुर, बी.डी.पी.ओ आदमपुर, ई.ओ. नगर परिषद आदमपुर भी मौजूद रहे।

वोटर सूचियों की सरसरी सुधाई संबंधी विशेष कैंप शनिवार एवं रविवार को

भारतीय चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा योग्यता तिथि 1-1-2025 के आधार पर मतदाता सूचियों की विशेष सरसरी सुधाई संबंधी जारी कार्यक्रम के तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर शनिवार और रविवार को विशेष कैंप लगाए जा रहे है। जहां बी.एल.ओ. द्वारा उपस्थित रहकर लोगों से दावे एवं आपत्तियां प्राप्त किए जाएंगे। डिप्टी कमिश्नर-कम-जिला निर्वाचन पदाधिकारी डा. हिमांशु अग्रवाल ने बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार 9 नवंबर शनिवार, 10 नवंबर रविवार और 23 नवंबर शनिवार और 24 नवंबर 2024 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि यह फॉर्म भारतीय चुनाव आयोग द्वारा जारी मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in/ से ऑनलाइन भी भरे जा सकते है। इसके अलावा, भारतीय चुनाव आयोग ने एक मोबाइल एप्लिकेशन भी जारी किया है जिसके माध्यम से आवेदक अपने मोबाइल में ऐप इंस्टॉल करने के बाद मोबाइल से अपना फॉर्म भर सकेंगे जो कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के डेटा एंट्री सॉफ्टवेयर से जुड़ा होगा।

डिप्टी कमिश्नर ने डिंगरियां गांव में सुनी लोगों की शिकायतें

आदमपुर/जालंधर (जालंधर ब्रीज). डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने वीरवार आदमपुर तहसील के गांव डिंगरियां में 'आप दी सरकार, आप दे द्वार' कार्यक्रम के तहत आयोजित विशेष कैम्प का निरीक्षण किया। इस अवसर पर अपने संबोधन के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की इस विशेष पहल के तहत आयोजित किए जा रहे कैम्प के माध्यम से लोगों को सरकारी सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस अवसर पर उन्होंने कैम्प में पहुंचे आम लोगों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनका यथाशीघ्र उचित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

डा.अग्रवाल अग्रवाल ने कहा कि जिला प्रशासन लोगों को सरल एवं समयबद्ध तरीके से सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है और इस कार्य में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी।

वज्र कोर ने राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, चैल शताब्दी समारोह के अल्ट्रा मैराथन को हरी झंडी दिखाई

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

देश के सबसे पुराने सैन्य स्कूल राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, चैल (आरएमएस चैल) के शताब्दी समारोह की शुरुआत 242 किलोमीटर की अल्ट्रा मैराथन के साथ हुई, जो की जालंधर से हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के चैल तक हुई जालंधर वह स्थान है जहां 1925 में इसकी स्थापना हुई थी। अल्ट्रा मैराथन को लेफ्टिनेंट जनरल अजय चांदपुरिया, एवीएसएम, वीएसएम जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), वज्र कोर ने जालंधर के ऐतिहासिक स्थल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। धावकों और स्कूल के पूर्व छात्रों को संबोधित करते हुए, जीओसी ने राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, चैल को राष्ट्र के लिए एक शताब्दी की महान सेवा के लिए बधाई दी और भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भावी पीढ़ियों का पोषण जारी रखने के लिए स्कूल को शुभकामनाएं दीं। अल्ट्रा मैराथन बालाचौर, पिंजौर और सोलन से होकर गुजरेगी और चैल में 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट मैदान पर समाप्त होगी।

स्थानीय निकाय मंत्री द्वारा सुल्तानपुर लोधी के विकास कार्यों की समीक्षा

सड़क का काम 10 नवंबर तक पूरा करने के सख्त निर्देश

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़,/सुल्तानपुर लोधी

स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने सुल्तानपुर लोधी में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मद्देनजर चल रहे कार्यों को 10 नवंबर तक पूरा किया जाये। स्थानीय रैस्ट हाउस में राज्यसभा सदस्य संत बाबा बलबीर सिंह सीचेवाल, आम आदमी पार्टी नेता सज्जन सिंह चीमा और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ मीटिंग के दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग और सीवरेज बोर्ड के अधिकारियों से कहा कि गुरु पर्व के अवसर पर आने वाली संगत और सजाये जाने वाले नगर कीर्तन से पहले गुरुद्वारा श्री बेर साहिब और अन्य गुरु घरों की ओर जाने वाली सड़कों का काम युद्ध स्तर पर पूरा किया जाए। कैबिनेट मंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को संबंधित विभागों, लोक निर्माण, सीवरेज बोर्ड, जल सप्लाई, नगर कौंसिल के बीच बेहतर तालमेल के माध्यम से कार्यों को

शीघ्र पूरा करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। इससे पहले कैबिनेट मंत्री ने सुल्तानपुर लोधी शहर की मुख्य सड़कों पर इंटरलॉक टाइलें लगाने के काम का भी जायजा लिया। इस अवसर पर जिला योजना बोर्ड के चेयरपर्सन ललित सकलानी, नगर सुधार ट्रस्ट कपूरथला के चेयरमैन गुरपाल सिंह इंडियन, अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर (जनरल) नवनीत कौर बल्ल, एस.डी.एम अपर्णा और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद अरोड़ा ने फिरोजपुर रोड पर एलिवेटेड हाईवे के सौंदर्यीकरण के लिए की बैठक

• **जालंधर ब्रीज.** लुधियाना

सांसद (राज्यसभा) संजीव अरोड़ा ने लुधियाना में फिरोजपुर रोड पर एलिवेटेड हाईवे के नीचे के 7 किलोमीटर हिस्से के सौंदर्यीकरण की योजना को अंतिम रूप देने के लिए गुरुवार को नगर निगम कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक के बाद सांसद अरोड़ा ने मीडिया को जानकारी दी, जिसमें प्रमुख उद्योगपतियों, लुधियाना नगर निगम और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के बीच एक सहयोगात्मक पहल की घोषणा की गई, जिसका उद्देश्य इस महत्वपूर्ण हिस्से के सौंदर्य और पर्यावरणीय गुणवत्ता को बढ़ाना है। इस परियोजना में चुनिंदा उद्योग जगत के लीडर शामिल होंगे जो मार्ग के साथ मनोनीत क्षेत्रों के सौंदर्यीकरण और टिकाऊ रखरखाव दोनों में योगदान देंगे।इस सौंदर्यीकरण प्रयास की रणनीति बनाने के लिए लुधियाना स्थित प्रमुख उद्योगों के प्रतिनिधियों ने चर्चा में भाग लिया। लुधियाना के प्रमुख उद्योगपति एवन साइकिल के ओंकार सिंह पाहवा, क्रेमिका के अनूप बेक्टर, हीरो साइकिल लिमिटेड के एसके

राय, हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के अनुज, बॉन ब्रेड, डीसीएम यंग एंटरप्रेन्योर्स स्कूल की सोनल महाजन, आईसीएम के सत्यन भाटिया सहित अन्य मौजूद थे। उद्योग की भागीदारी में परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लैंडस्केपिंग, प्रकाश व्यवस्था और निरंतर रखरखाव शामिल होंगे।

अरोड़ा ने बताया कि प्राथमिक उद्देश्यों में शहर की छवि को पुनर्जीवित करने के लिए ग्रीन बेल्ट, वृक्षारोपण व आकर्षक लैंडस्केपिंग की स्थापना शामिल है। बैठक के एजेंडे में परियोजना के लक्ष्य, एनएचएआई की भूमिका, मनोनीत सड़क के हिस्सों की जिम्मेदारियां और उद्योग प्रतिनिधियों के बीच खुली चर्चा शामिल थी।

सरकारी स्पोर्ट्स कॉलेज जालंधर में अग्निवीर भर्ती रैली शुरू

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

भारतीय सेना में अग्निवीर के तौर पर भर्ती के लिए गुरुवार को स्थानीय सरकारी स्पोर्ट्स कॉलेज जालंधर में रैली शुरू हुई, जो 13 नवंबर, 2024 तक जारी रहेगी। भर्ती रैली के पहले दिन, जिला तरनतारन से कुल 649 उम्मीदवारों ने भारतीय सेना में अग्निवीर जनरल ड्यूटी/ट्रेड्समैन/टेक्नीशियन के रूप में भर्ती के लिए भाग लिया। भाग लेने वाले कुल उम्मीदवारों में से 325 उम्मीदवारों निर्धारित अनिवार्य दौड़ परीक्षा पास की। इस दौड़ के दौरान 1600 मीटर की दूरी 5:30 मिनट में तय करनी थी, जिसके बाद योग्य उम्मीदवारों को शारीरिक फिजिकल परीक्षण, लॉंग जम्प, मेडिकल फिटनेस, डोप टेस्ट, बायोमेट्रिक आदि मानदंडों में भाग लिया। डिप्टी कमिश्नर नीलम महे के

नेतृत्व में जिला रोजगार एवं कारोबार ब्यूरो की टीम ने मौके पर दौड़ में असफल रहे उम्मीदवारों की काउंसिलिंग की और उन्हें सेना की विभिन्न भर्तियों की ,तैयारी करने और विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार खोजने के लिए अवसरों का परिचय दिया गया। इसके अलावा, उम्मीदवारों को जिला रोजगार और व्यवसाय ब्यूरो में अपना नाम दर्ज कराने के लिए उचित मार्गदर्शन भी दिया ताकि उन्हें भविष्य में समय-समय पर राज्य और केंद्र सरकार द्वारा जारी पदों से अवगत करवाया जा सके।

पंजाब के किसानों से बदला लेने के लिए भाजपा की केंद्र सरकार कर रही है साजिश : कंग

एफसीआई क्वालिटी चेक करके चावल खरीदती है तो कर्नाटक की एफसीआई डिवीजन ने सैंपल फेल कैसे किए? : कंग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

कर्नाटक में पंजाब के चावल सैंपल को रिजेक्ट करने पर आप आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि हर साल धान खरीद से पहले एफसीआई उसकी क्वालिटी की जांच करती है और सारे मापदंडों पर खरा उतरने के बाद ही खरीदती है, फिर कर्नाटक की एफसीआई डिवीजन ने सैंपल फेल कैसे किए?

'आप' सांसद और पार्टी के वरिष्ठ प्रवक्ता मलविंदर सिंह कंग ने कहा कि कर्नाटक ने पंजाब के चावलों को लेकर जो कहा है उसे देखकर स्पष्ट तौर पर लगता है कि पंजाब के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश हो रही है। उन्होंने कहा कि इस साल केंद्र सरकार एमएसपी पर पंजाब का धान खरीदने से कतरा रही है और तरह-तरह के बहाने बना रही है। ये सब केवल पंजाब से धान न खरीदने के बहाने हैं। दरअसल ये सब काले कृषि कानूनों के खिलाफ हुए

किसान आंदोलन का बदला लेने के लिए किया जा रहा है। कंग ने पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह के पूर्व में दिए बयान का जिक्र किया कि 'भाजपा सरकार लंबे समय तक एमएसपी नहीं देगी'।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार की इस मुद्दे को लेकर मंशा शक के घेरे में है। भाजपा काले कृषि कानूनों को पीछे के दरवाजे से लागू करना चाह रही है। एमएसपी को लेकर शुरू से ही केंद्र सरकार की मंशा में खोट रही है और उनके मंत्रियों के पूर्व में दिए बयानों से साफ जाहिर भी होता है।

पंजाब प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से बैठक की

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के सामने बिजली और शहरी विकास से संबंधित राज्य की मांगों को मजबूती से रखा है। पंजाब भवन में आवास एवं शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह मुंडिया, बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ और स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह के नेतृत्व में राज्य सरकार के प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर से तर्क और तथ्यों के साथ अपनी मांगें रखीं, जिन पर केंद्रीय मंत्री ने पंजाब के पक्ष में सकारात्मक रुख अपनाने का विश्वास जताया।

गुरुवार को बिजली और आवासीय शहरी विकास विभागों से संबंधित केंद्र सरकार के मामलों पर तालमेल समिति की बैठक हुई। पंजाब के कैबिनेट मंत्रियों ने कहा कि पंजाब सरकार विभिन्न विकास कार्यों को गति दे रही है। इन दोनों विभागों से संबंधित लंबित मांगों को शीघ्र पूरा किया जाए। पंजाब ने केंद्र के सामने यह मांग रखी कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) में पंजाब राज्य से बिजली सदस्य लगाने की परंपरा को बनाए रखते हुए 2022 में किए गए संशोधित किए नियमों में बदलाव की मांग की। पंजाब का कहना था कि नई शर्तों के अनुसार राज्य से कोई योग्य उम्मीदवार नहीं मिलेगा। इसी तरह हिमाचल प्रदेश स्थित शानन परियोजना पर पंजाब ने अपना पूर्ण हक जताते हुए कहा कि पंजाब पुनर्गठन कानून के तहत इस परियोजना पर उसका ही हक है।

खराब प्रदर्शन पर आईसीसी रैंकिंग में विराट और रोहित को नुकसान, पंत को फायदा

फोटो-बीसीसीआई

बीते 10 सालों में विराट कोहली के करियर में नहीं आई ऐसी स्थिति

स्पोर्ट्स डेस्क. आईसीसी ने टेस्ट की ताजा रैंकिंग जारी की है। जहां भारतीय सलामी बल्लेबाज विराट कोहली को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खराब प्रदर्शन का नुकसान उठाना पड़ा है। दरअसल, कोहली नीचे लुढ़क गए हैं। कोहली अब टेस्ट के टॉप-20 बल्लेबाजों में भी शामिल नहीं हैं। कोहली को 8 स्थान का नुकसान हुआ है। वह अब 22वें स्थान पर हैं। वहीं रोहित शर्मा को भी दो स्थानों का नुकसान हुआ है। वह अब 26वें स्थान पर हैं।

बीते 10 सालों में विराट कोहली के करियर में ऐसी स्थिति नहीं आई। न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली ने लगभग 15 के औसत से रन बनाए थे। इस साल वह केवल दो फिफ्टी ही जड़ पाए हैं। यही कारण है कि उन्हें 6 स्थानों का नुकसान हुआ है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का भी कुछ ऐसा ही हाल है। उन्हें भी रैंकिंग में दो स्थानों का नुकसान हुआ है अब वह 26वें स्थान पर है। भारत के टॉप बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल हैं लेकिन उन्हें भी एक स्थान का नुकसान हुआ है। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक ने उन्हें तीसरे स्थान से हटा दिया है।

हालांकि, लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले ऋषभ पंत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में अच्छे प्रदर्शन का फायदा हुआ है। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज अब छठे स्थान पर हैं। आईसीसी टेस्ट रैंकिंग पहले स्थान अब भी इंग्लैंड के जो रूट ही हैं। जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन अपना दूसरा स्थान बनाए हुए हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.